

वारी वारी सजना (५५)

चिरु जीओ साईं सुकुमारे सजना

तेरी कीरति जग से है न्यारी सजना
मैं तो गाऊं निशिदिन गद् गद् हो तेरे प्यार में॥

चैत्र पूर्णिमा तिथि भागवान भई

साकेत स्वामिनी ने निधि अलौकिक दई

भई धन्य सुखदेवी महतारी सजना

हुए मोहित सकल नर नारी सजना॥

रूपु अनूपम शोभा का सागर है

मन तन कोकिल साईं सुकुमार है

दई मात के गोद किलकारी सजना

लखि जाइ जननी वारी वारी सजना॥

धन्य मनोहर मीरपुर ग्राम है

बालक रूप आए साईं सुख धाम हैं

जग राम भगति विस्तारी सजना

भई घर घर मंगला चारी सजना॥

जीवन लाह मिला जग़ जीवन
रटो नाम रघुनाथ मुदित मन
अब फली फूली नेह फुलवाड़ी सजना
झूमे वृक्ष लता डारी डारी सजना॥

मधुर प्रेम जी राह चलाई साईं
इष्ट आशीश जी सीख सिखाई साईं
जै मैगसि चंद्र मनहारी सजना
तेरे चरण कमल पै वारी सजना॥